सत्यमेव जयते
Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

जन-जन का रखे ध्यान, टीबी-मुक्त भारत अभियान

Regional Media Coverage | 31st January 2025

Gujarat

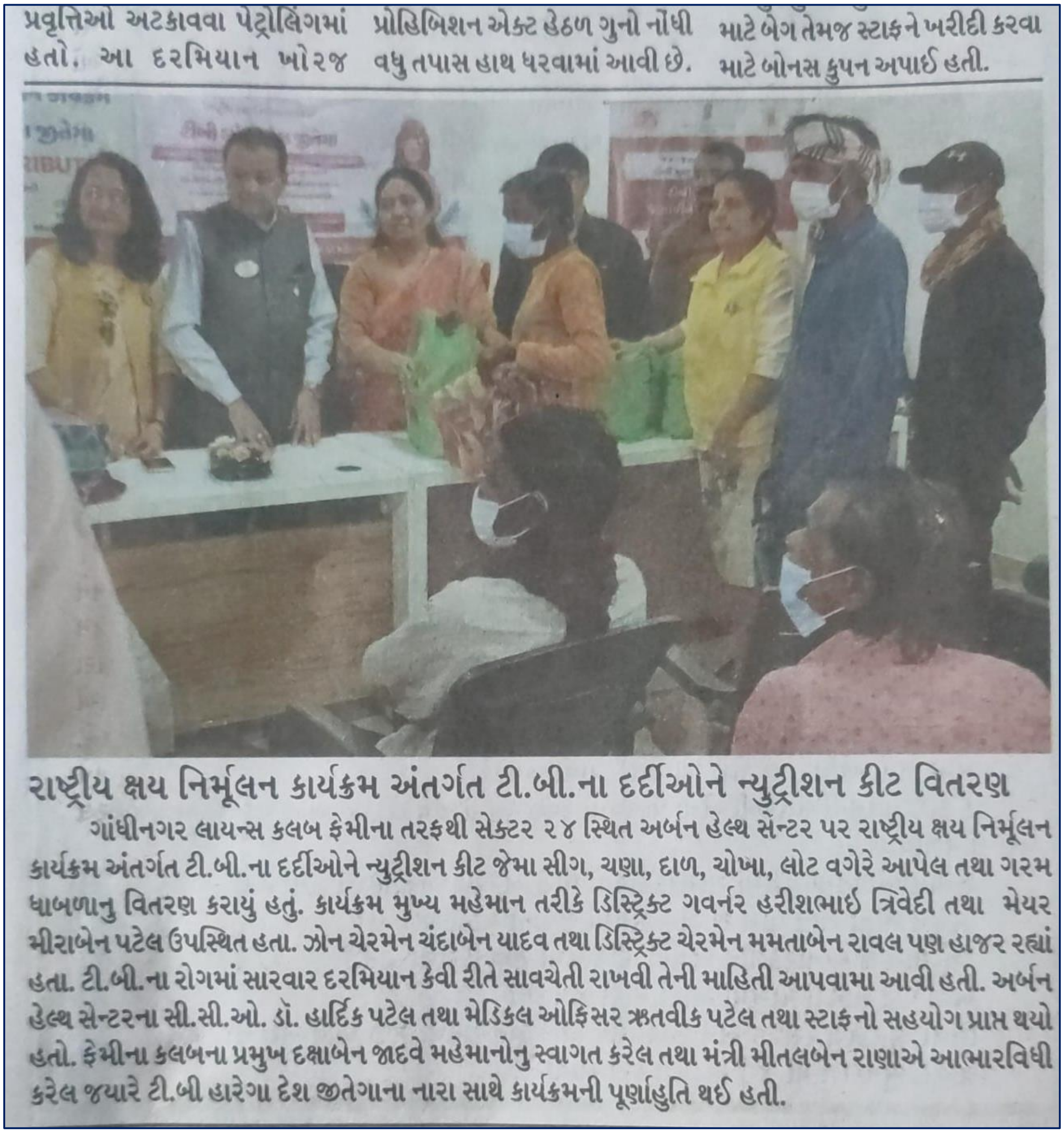

પ્રવૃત્તિઓ અટકાવવા પેટ્રોલિંગમાં હતો. આ દરમિયાન ખોરજ

પ્રોહિબિશન એક્ટ હેઠળ ગુનો નોંધી વધુ તપાસ હાથ ધરવામાં આવી છે.

માટે બેગ તેમજ સ્ટાફને ખરીદી કરવા માટે બોનસ કુપન અપાઈ હતી.

રાષ્ટ્રીય ક્ષય નિર્મૂલન કાર્યક્રમ અંતર્ગત ટી.બી.ના દર્દીઓને ન્યુટ્રીશન કીટ વિતરણ

ગાંધીનગર લાયન્સ કલબ ફેમીના તરફથી સેક્ટર ૨૪ સ્થિત અર્બન હેલ્થ સેંન્ટર પર રાષ્ટ્રીય ક્ષય નિર્મૂલન કાર્યક્રમ અંતર્ગત ટી.બી.ના દર્દીઓને ન્યુટ્રીશન કીટ જેમા સીગ, ચણા, દાળ, ચોખા, લોટ વગેરે આપેલ તથા ગરમ ધાબળાનુ વિતરણ કરાયું હતું. કાર્યક્રમ મુખ્ય મહેમાન તરીકે ડિસ્ટ્રિક્ટ ગવર્નર હરીશભાઇ ત્રિવેદી તથા મેયર મીરાબેન પટેલ ઉપસ્થિત હતા. ઝોન ચેરમેન ચંદાબેન યાદવ તથા ડિસ્ટ્રિક્ટ ચેરમેન મમતાબેન રાવલ પણ હાજર રહ્યાં હતા. ટી.બી.ના રોગમાં સારવાર દરમિયાન કેવી રીતે સાવચેતી રાખવી તેની માહિતી આપવામા આવી હતી. અર્બન હેલ્થ સેન્ટરના સી.સી.ઓ. ડૉ. હાર્દિક પટેલ તથા મેડિકલ ઓફિસર ઋતવીક પટેલ તથા સ્ટાફનો સહયોગ પ્રાપ્ત થયો હતો. ફેમીના કલબના પ્રમુખ દક્ષાબેન જાદવે મહેમાનોનુ સ્વાગત કરેલ તથા મંત્રી મીતલબેન રાણાએ આભારવિધી કરેલ જયારે ટી.બી હારેગા દેશ જીતેગાના નારા સાથે કાર્યક્રમની પૂર્ણાહુતિ થઈ હતી.

Lions Club Family member provide Nutrition kit to TB patient at Sector-24 -Gandhinagar

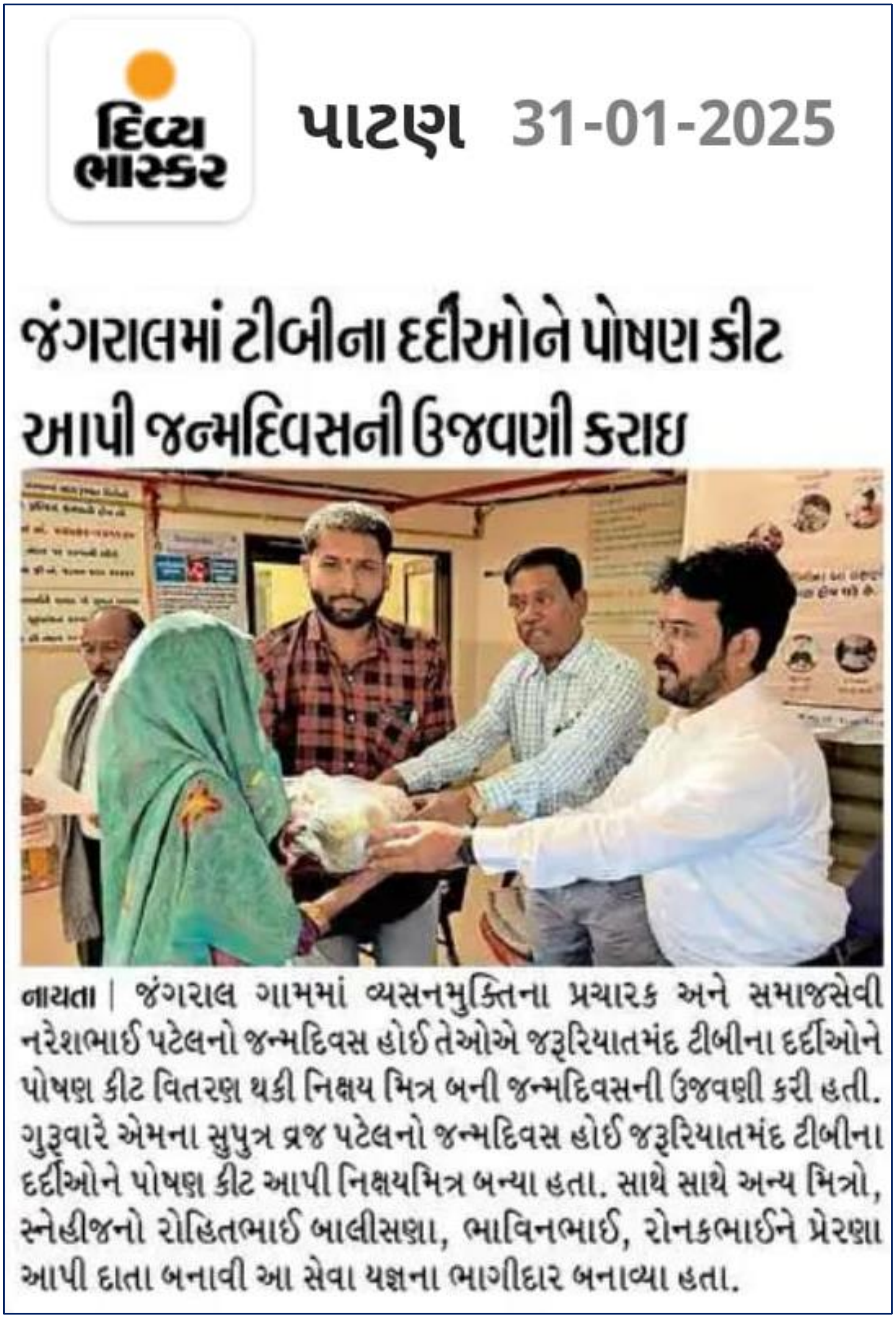

દિવ્ય ભાસ્કર પાટણ 31-01-2025

જંગરાલમાં ટીબીના દર્દીઓને પોષણ કીટ આપી જન્મદિવસની ઉજવણી કરાઇ

નાયતા | જંગરાલ ગામમાં વ્યસનમુક્તિના પ્રચારક અને સમાજસેવી નરેશભાઈ પટેલનો જન્મદિવસ હોઈ તેઓએ જરૂરિયાતમંદ ટીબીના દર્દીઓને પોષણ કીટ વિતરણ થકી નિક્ષય મિત્ર બની જન્મદિવસની ઉજવણી કરી હતી. ગુરૂવારે એમના સુપુત્ર વ્રજ પટેલનો જન્મદિવસ હોઈ જરૂરિયાતમંદ ટીબીના દર્દીઓને પોષણ કીટ આપી નિક્ષયમિત્ર બન્યા હતા. સાથે સાથે અન્ય મિત્રો, સ્નેહીજનો રોહિતભાઈ બાલીસણા, ભાવિનભાઈ, રોનકભાઈને પ્રેરણા આપી દાતા બનાવી આ સેવા યજ્ઞના ભાગીદાર બનાવ્યા હતા.

Patan Jangral Village–Social Worker Shri Nareshbhai Patel Provide Nutrition kit to TB patients

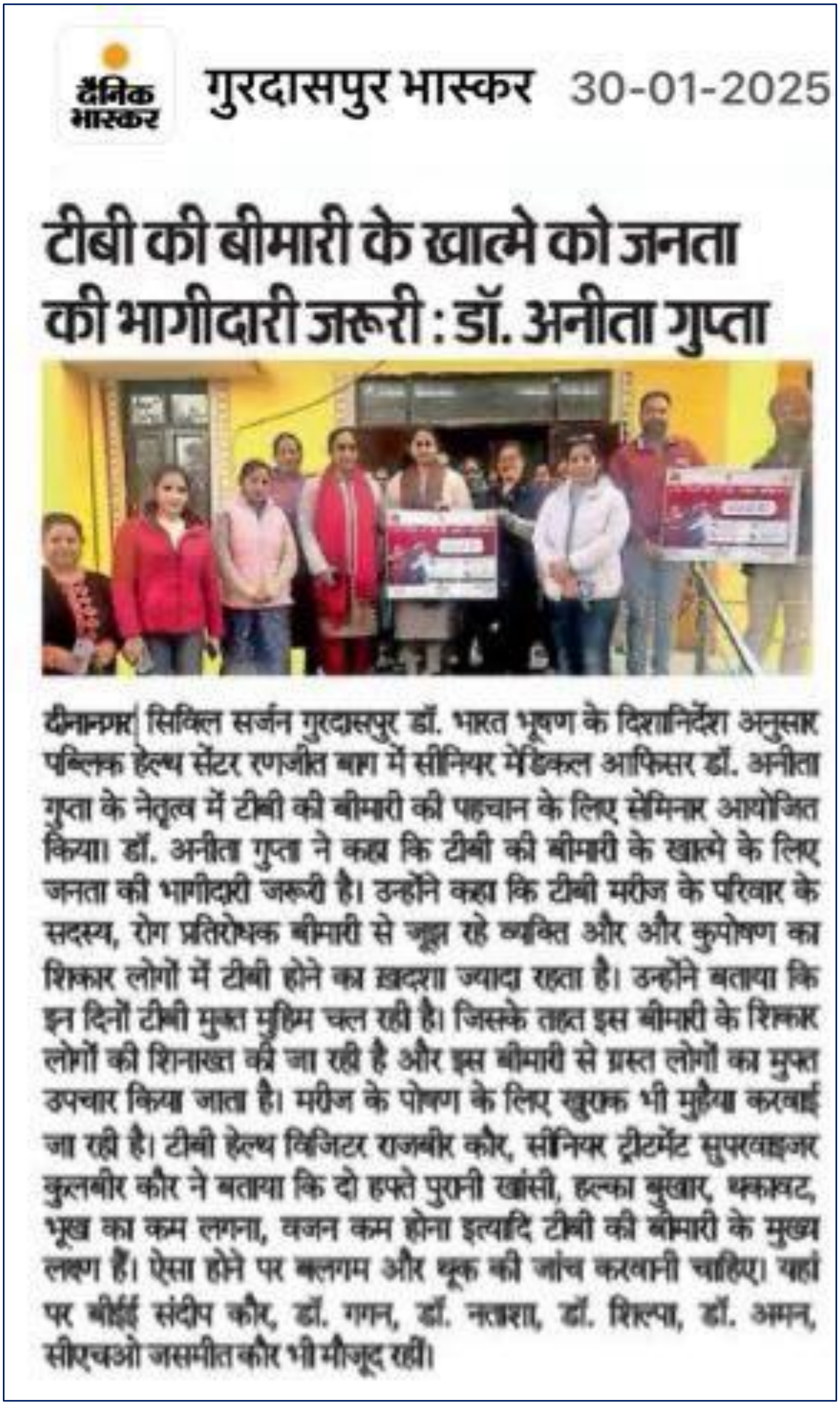

दैनिक भास्कर
गुरदासपुर भास्कर 30-01-2025

टीबी की बीमारी के खात्मे को जनता की भागीदारी जरूरी : डॉ. अनीता गुप्ता

दीनानगर| सिविल सर्जन गुरदासपुर डॉ. भारत भूषण के दिशानिर्देश अनुसार पब्लिक हेल्थ सेंटर रणजीत बाग में सीनियर मेडिकल आफिसर डॉ. अनीता गुप्ता के नेतृत्व में टीबी की बीमारी की पहचान के लिए सेमिनार आयोजित किया। डॉ. अनीता गुप्ता ने कहा कि टीबी की बीमारी के खात्मे के लिए जनता की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि टीबी मरीज के परिवार के सदस्य, रोग प्रतिरोधक बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति और और कुपोषण का शिकार लोगों में टीबी होने का खदशा ज्यादा रहता है। उन्होंने बताया कि इन दिनों टीबी मुक्त मुहिम चल रही है। जिसके तहत इस बीमारी के शिकार लोगों की शिनाख्त की जा रही है और इस बीमारी से ग्रस्त लोगों का मुफ्त उपचार किया जाता है। मरीज के पोषण के लिए खुराक भी मुहैया करवाई जा रही है। टीबी हेल्थ विजिटर राजबीर कौर, सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर कुलबीर कौर ने बताया कि दो हफ्ते पुरानी खांसी, हल्का बुखार, थकावट, भूख का कम लगना, वजन कम होना इत्यादि टीबी की बीमारी के मुख्य लक्षण हैं। ऐसा होने पर बलगम और थूक की जांच करवानी चाहिए। यहां पर बीईई संदीप कौर, डॉ. गगन, डॉ. नताशा, डॉ. शिल्पा, डॉ. अमन, सीएचओ जसमीत कौर भी मौजूद रहीं।

Jammu and Kashmir

tened patiently to the concerns and issues projected by the people. He directed the district administration and concerned departments to address the grievances on priority basis.

He reaffirmed the Government's commitment towards public welfare, stating, "Our Government is taking administration to people's doorsteps to ensure effective redres-

reach programs on regular basis. He also instructed for a reshuffle of non-performing officials to enhance efficiency in service delivery.

The event was attended by ADC Nowshera, Chief Engineer, PWD (R&B) Pir Panjal, Anil Kumar Pandohi, SE PWD(R&B), Devi Dayal and other district officers, who assured prompt action on the issues raised by the public.

MLA Arvind Gupta along with others during a programme on TB awareness in Jammu.

Arvind emphasizes commitment for TB-free Jammu

Excelsior Correspondent

JAMMU, Jan 29: Senior BJP leader and MLA Jammu West, Arvind Gupta here today participated in a programme organized under the 100-day Tuberculosis (TB) awareness campaign by District TB Control Society, Jammu.

The campaign was part of Pradhan Mantri TB Mukt Bharat Abhiyan that began on December 7, 2024 and will continue till March 17, 2025.

BJP Mandal president, Kushant Daffara and Anil Angral, BJP workers, Karan Sharma and Mohit Vaid along with Dr. Rakesh Mangotra, Director, Health Services Jammu, Dr. Harbaksh Singh, Chief Medical Officer, Jammu, Dr Jyoti Jolly, State Tuberculosis Officer, Dr. Anu Saloch, Superintendent, CD Hospital and Dr Rakesh Sharma, Medical Officers, District TB Control Jammu staff and officials from the State TB Office also attended the event.

Speaking on the occasion, Director Health Services, Jammu encouraged individuals and organizations to become "Nikshay Mitras" by adopting TB patients and supporting them in recovery.

Arvind Gupta emphasized that BJP-led Government under PM Modi is committed to ensure a TB-free India and has introduced various schemes to support TB patients, including nutritional assistance and free medication.

He also highlighted the importance of community participation in achieving the goal of eliminating TB by 2025.

Gupta assured full support to health authorities in their mission to achieve TB-free Jammu.

The event concluded with a pledge to intensify efforts in spreading awareness and ensuring that every TB patient receives proper treatment and care.

General Manag
other senior offic
Speaking at
Amitava Chatter
witnessed an u
transformation in
past five years an
are committed to
in our areas of op
duction of these
signages is anothe
tion, serving as
touch point for
tomers with vital
tion mandatory f
pliance, grievanc
nisms, product
strong platform f
tion."
"With custom

Prakatyot

Excelsior C

JAMMU,
Dwaara Mand
Bazaar, Jammu
ebrate 670th
Bawa Lal Day
January 31(F
Temple premis
Shree Ram
start on January
main function
January 31 an
with Aarti at
will be organi
Satsang will be
Bhog of Shree

Pharmaceuticals & Me
(Set up under the Dep
B-500, Tower – B, 5th Floor, Wo
Telephone: 011-494

VACANCY
Advt. No.

Pharmaceuticals & Medical Devi
implementing agency for Pradhan M
of Department of Pharmaceuticals,
Government of India. PMBI invites a
various positions of **Assistant Manag**
Interested, eligible candidates
https://recruitment.pmbi.co.in/. De
structure and other terms & conditions

www.jagran.com

टीबी बीमारी के बारे लोगों को जागरूक करने के लिए निकाली जागरूकता रैली

जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखा रवाना करते अधिकारी। ● जागरण।

संवाद सूत्र, जागरण ● **रतिया:** टीबी की बीमारी के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए प्रचार रैली का शुभारंभ किया। जिला कार्यक्रम अधिकारी डा. अमित सैनी एवं उप सिविल सर्जन डा. भरत सहारण ने संयुक्त रूप से झंडी दिखा कर रैली को रवाना किया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी ने टीबी के लक्षणों की जानकारी देते हुए बताया कि 2 सप्ताह से ज्यादा खांसी या खांसी में बलगम या बलगम में खून आना, लगातार वजन कम होना, भूख न लगना, शरीर के किसी भी हिस्से पर गांठ होना, नवजात शिशुओं का वजन न बढ़ना आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जो मरीज टीबी का इलाज ले रहे हैं, उनको सरकार की तरफ से निक्षय पोषण योजना के तहत एक हजार रुपए प्रति माह पोषण भत्ता दिया जाता है। पोषण योजना का लाभ लेने के लिए टीबी के मरीज को स्वास्थ्य संस्था में अपना आधार कार्ड व बैंक खाते की फोटो कापी जमा करवानी अनिवार्य है। 100 डेज निक्षय शिविर के बारे में बताते हुए डा. सैनी ने आम जनता से अपील की कि निक्षय शिविर में अपनी जांच करवाएं।

District Fatehabad Haryana

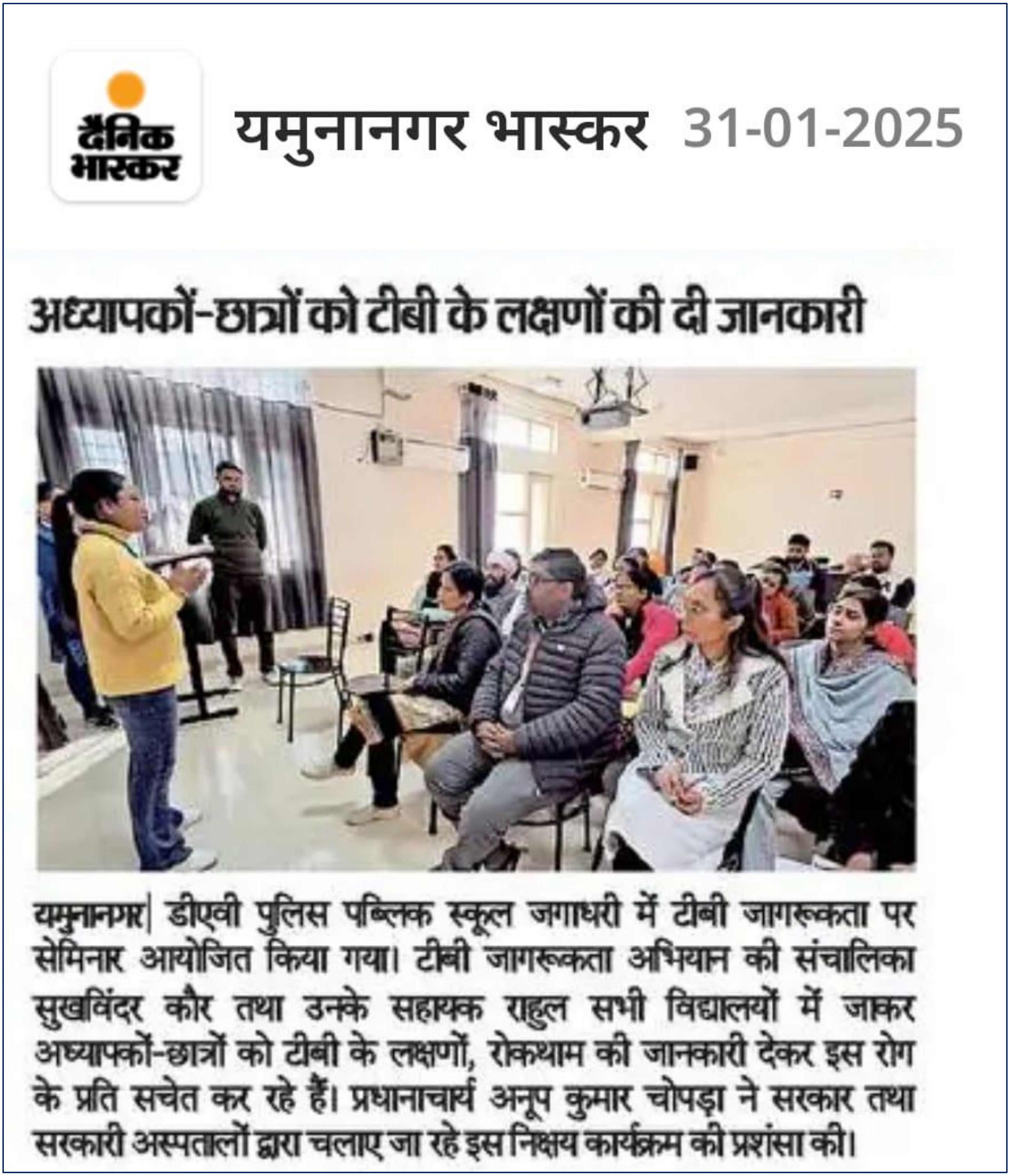

दैनिक भास्कर

यमुनानगर भास्कर 31-01-2025

अध्यापकों-छात्रों को टीबी के लक्षणों की दी जानकारी

यमुनानगर| डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल जगाधरी में टीबी जागरूकता पर सेमिनार आयोजित किया गया। टीबी जागरूकता अभियान की संचालिका सुखविंदर कौर तथा उनके सहायक राहुल सभी विद्यालयों में जाकर अध्यापकों-छात्रों को टीबी के लक्षणों, रोकथाम की जानकारी देकर इस रोग के प्रति सचेत कर रहे हैं। प्रधानाचार्य अनूप कुमार चोपड़ा ने सरकार तथा सरकारी अस्पतालों द्वारा चलाए जा रहे इस निक्षय कार्यक्रम की प्रशंसा की।

District Yamunanagar (Haryana)

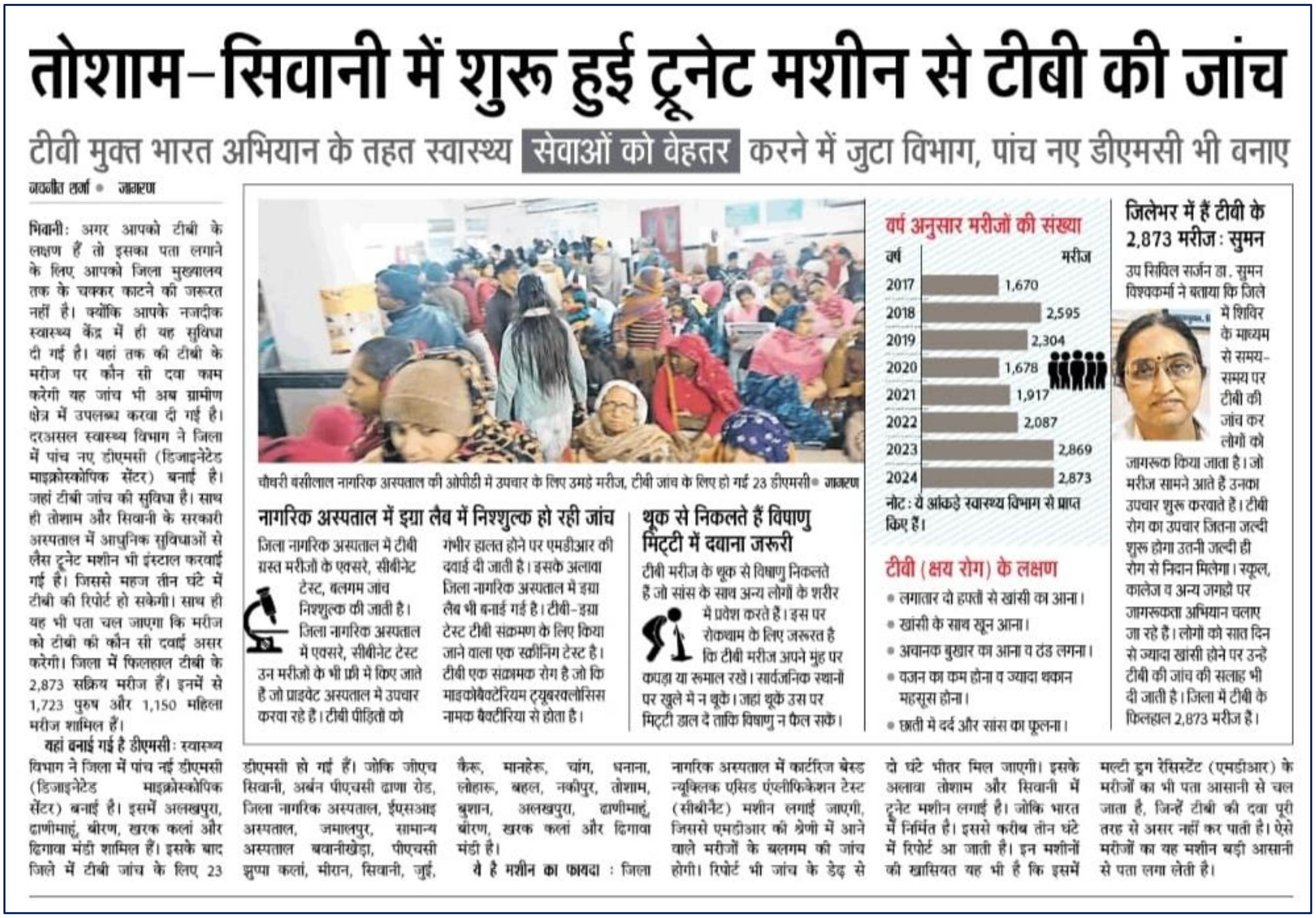

तोशाम–सिवानी में शुरू हुई टूनेट मशीन से टीबी की जांच

टीवी मुक्त भारत अभियान के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को वेहतर करने में जुटा विभाग, पांच नए डीएमसी भी वनाए

नवनीत शर्मा • जागरण

भिवानी: अगर आपको टीबी के लक्षण हैं तो इसका पता लगाने के लिए आपको जिला मुख्यालय तक के चक्कर काटने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आपके नजदीक स्वास्थ्य केंद्र में ही यह सुविधा दी गई है। यहां तक की टीबी के मरीज पर कौन सी दवा काम करेगी यह जांच भी अब ग्रामीण क्षेत्र में उपलब्ध करवा दी गई है। दरअसल स्वास्थ्य विभाग ने जिला में पांच नए डीएमसी (डिजाइनेटेड माइक्रोस्कोपिक सेंटर) बनाई है। जहां टीबी जांच की सुविधा है। साथ ही तोशाम और सिवानी के सरकारी अस्पताल में आधुनिक सुविधाओं से लैस टूनेट मशीन भी इंस्टाल करवाई गई है। जिससे महज तीन घंटे में टीबी की रिपोर्ट हो सकेगी। साथ ही यह भी पता चल जाएगा कि मरीज को टीबी की कौन सी दवाई असर करेगी। जिला में फिलहाल टीबी के 2,873 सक्रिय मरीज हैं। इनमें से 1,723 पुरुष और 1,150 महिला मरीज शामिल हैं।

यहां बनाई गई है डीएमसी: स्वास्थ्य विभाग ने जिला में पांच नई डीएमसी (डिजाइनेटेड माइक्रोस्कोपिक सेंटर) बनाई है। इसमें अलखपुरा, ढाणीमाहूं, बीरण, खरक कलां और ढिगावा मंडी शामिल हैं। इसके बाद जिले में टीबी जांच के लिए 23 डीएमसी हो गई हैं। जोकि जीएच सिवानी, अर्बन पीएचसी ढाणा रोड, जिला नागरिक अस्पताल, ईएसआइ अस्पताल, जमालपुर, सामान्य अस्पताल बवानीखेड़ा, पीएचसी झुप्पा कलां, मीरान, सिवानी, जुई, कैरू, मानहेरू, चांग, धनाना, लोहारू, बहल, नकीपुर, तोशाम, बुशान, अलखपुरा, ढाणीमाहूं, बीरण, खरक कलां और ढिगावा मंडी है।

ये है मशीन का फायदा : जिला नागरिक अस्पताल में कार्टरिज बेस्ड न्यूक्लिक एसिड एंप्लीफिकेशन टेस्ट (सीबीनैट) मशीन लगाई जाएगी, जिससे एमडीआर की श्रेणी में आने वाले मरीजों के बलगम की जांच होगी। रिपोर्ट भी जांच के डेढ़ से दो घंटे भीतर मिल जाएगी। इसके अलावा तोशाम और सिवानी में टूनेट मशीन लगाई है। जोकि भारत में निर्मित है। इससे करीब तीन घंटे में रिपोर्ट आ जाती है। इन मशीनों की खासियत यह भी है कि इसमें मल्टी ड्रग रेसिस्टेंट (एमडीआर) के मरीजों का भी पता आसानी से चल जाता है, जिन्हें टीबी की दवा पूरी तरह से असर नहीं कर पाती है। ऐसे मरीजों का यह मशीन बड़ी आसानी से पता लगा लेती है।

चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल की ओपीडी में उपचार के लिए उमड़े मरीज, टीबी जांच के लिए हो गई 23 डीएमसी • जागरण

नागरिक अस्पताल में इग्रा लैब में निशुल्क हो रही जांच

जिला नागरिक अस्पताल में टीबी ग्रस्त मरीजों के एक्सरे, सीबीनेट टेस्ट, बलगम जांच निशुल्क की जाती है। जिला नागरिक अस्पताल में एक्सरे, सीबीनेट टेस्ट उन मरीजों के भी फ्री में किए जाते है जो प्राइवेट अस्पताल में उपचार करवा रहे है। टीबी पीड़ितों को गंभीर हालत होने पर एमडीआर की दवाई दी जाती है। इसके अलावा जिला नागरिक अस्पताल में इग्रा लैब भी बनाई गई है। टीबी-इग्रा टेस्ट टीबी संक्रमण के लिए किया जाने वाला एक स्क्रीनिंग टेस्ट है। टीबी एक संक्रामक रोग है जो कि माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्लोसिस नामक बैक्टीरिया से होता है।

थूक से निकलते हैं विषाणु मिट्टी में दबाना जरूरी

टीबी मरीज के थूक से विषाणु निकलते हैं जो सांस के साथ अन्य लोगों के शरीर में प्रवेश करते हैं। इस पर रोकथाम के लिए जरूरत है कि टीबी मरीज अपने मुंह पर कपड़ा या रूमाल रखे। सार्वजनिक स्थानों पर खुले में न थूकें। जहां थूकें उस पर मिट्टी डाल दें ताकि विषाणु न फैल सकें।

वर्ष अनुसार मरीजों की संख्या

वर्ष	मरीज
2017	1,670
2018	2,595
2019	2,304
2020	1,678
2021	1,917
2022	2,087
2023	2,869
2024	2,873

नोट : ये आंकड़े स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त किए हैं।

टीवी (क्षय रोग) के लक्षण

- लगातार दो हफ्तों से खांसी का आना।
- खांसी के साथ खून आना।
- अचानक बुखार का आना व ठंड लगना।
- वजन का कम होना व ज्यादा थकान महसूस होना।
- छाती में दर्द और सांस का फूलना।

जिलेभर में हैं टीवी के 2,873 मरीज : सुमन

उप सिविल सर्जन डा. सुमन विश्वकर्मा ने बताया कि जिले में शिविर के माध्यम से समय-समय पर टीबी की जांच कर लोगों को जागरूक किया जाता है। जो मरीज सामने आते हैं उनका उपचार शुरू करवाते हैं। टीबी रोग का उपचार जितना जल्दी शुरू होगा उतनी जल्दी ही रोग से निदान मिलेगा। स्कूल, कालेज व अन्य जगहों पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। लोगों को सात दिन से ज्यादा खांसी होने पर उन्हें टीबी की जांच की सलाह भी दी जाती है। जिला में टीबी के फिलहाल 2,873 मरीज हैं।

District Bhiwani, Haryana

पंजाब केसरी
FRI,31 JANUARY 2025
EDITION: FATEHABAD KESARI, PAGE NO. 2

प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान के लिए रैली का किया शुभारंभ

रतिया, 30 जनवरी (झंडई) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत टी.बी. कार्यक्रम को जन आंदोलन की मुहिम में घर-घर तक टी.बी. की बीमारी के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए प्रचार रैली का शुभारंभ किया। जिला कार्यक्रम अधिकारी डा. अमित सैनी एवं उपसिविल सर्जन डा. भरत सहारण ने संयुक्त रूप से झंडी दिखा कर रैली को रवाना किया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने टी.बी. के लक्षणों की जानकारी देते हुए बताया कि 2 सप्ताह से ज्यादा खांसी या खांसी में बलगम या बलगम में खून आना, लगातार वजन कम होना, भूख न लगना, दोपहर बाद बुखार आना, रात को पसीना आना, छाती में दर्द, शरीर के किसी भी हिस्से पर गांठ होना, नवजात शिशुओं का वजन न बढ़ना आदि शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि जो मरीज टी.बी. का इलाज ले रहे हैं, उनको सरकार की तरफ से निक्षय पोषण योजना के तहत 1000 रुपए प्रति माह पोषण भत्ता दिया जाता है। पोषण योजना का लाभ लेने के लिए टी.बी. के मरीज को स्वास्थ्य संस्था में अपना आधार कार्ड व बैंक खाते की फोटो कॉपी जमा करवानी अनिवार्य है। 100 डेज निक्षय शिविर के बारे में बताते हुए डॉ. सैनी ने आम जनता से अपील की कि निक्षय शिविर में अपनी जांच करवाए। इस अवसर पर हैल्थ इंस्पैक्टर राजेश श्योकंद, मोहन लाल, वीरेंद्र सिंह, विनोद कुमार व अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

स्वास्थ्य विभाग, फतेहाबाद
एक कदम टीबी मुक्त भारत की ओर

टी.बी. मुक्त की रैली को झंडी दिखाते हुए। *(झंडई)*

District Fatehabad Haryana

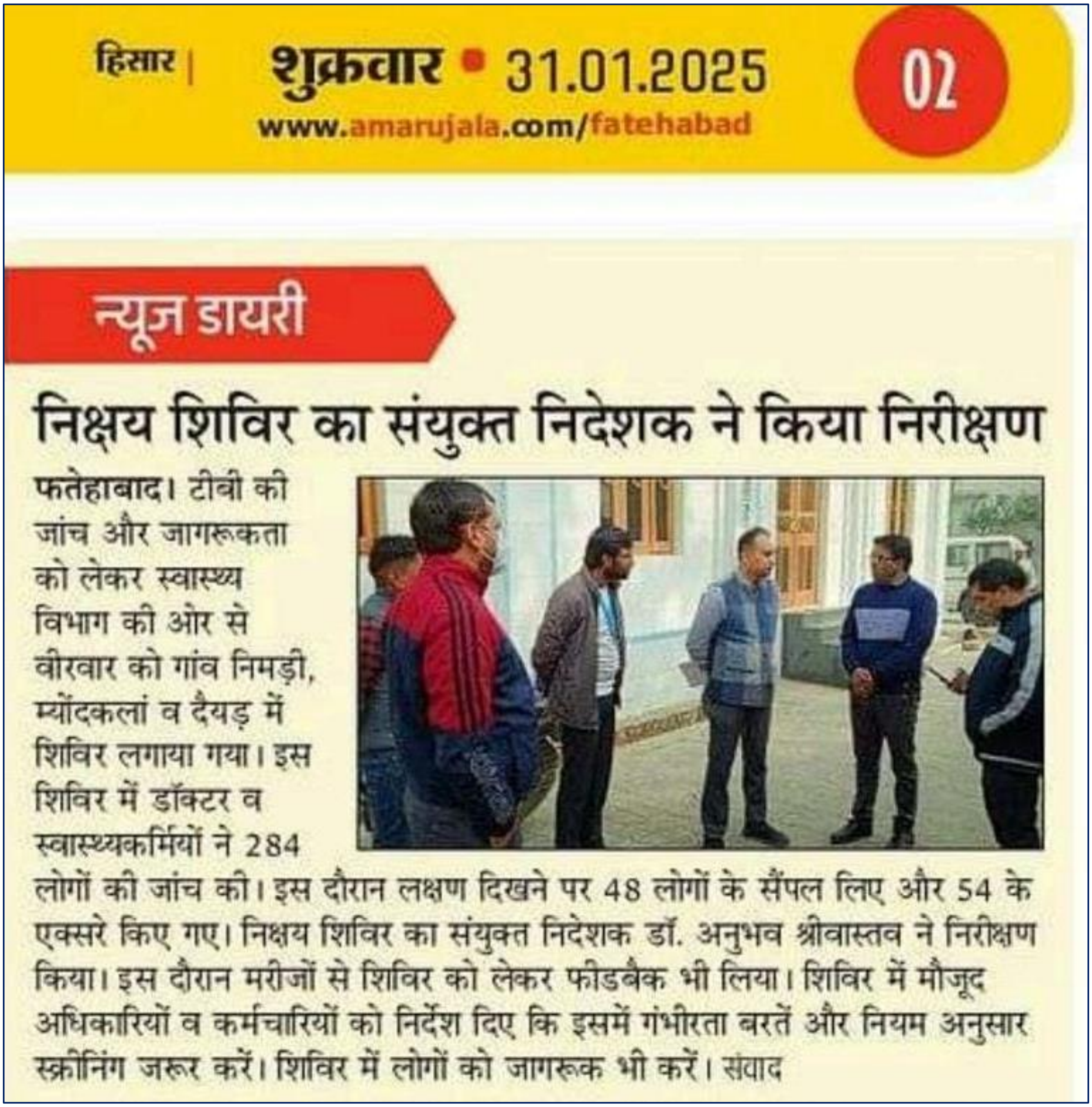

हिसार | शुक्रवार • 31.01.2025
www.amarujala.com/fatehabad
02

न्यूज डायरी

निक्षय शिविर का संयुक्त निदेशक ने किया निरीक्षण

फतेहाबाद। टीबी की जांच और जागरूकता को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से वीरवार को गांव निमड़ी, म्योंदकलां व दैयड़ में शिविर लगाया गया। इस शिविर में डॉक्टर व स्वास्थ्यकर्मियों ने 284 लोगों की जांच की। इस दौरान लक्षण दिखने पर 48 लोगों के सैंपल लिए और 54 के एक्सरे किए गए। निक्षय शिविर का संयुक्त निदेशक डॉ. अनुभव श्रीवास्तव ने निरीक्षण किया। इस दौरान मरीजों से शिविर को लेकर फीडबैक भी लिया। शिविर में मौजूद अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि इसमें गंभीरता बरतें और नियम अनुसार स्क्रीनिंग जरूर करें। शिविर में लोगों को जागरूक भी करें। संवाद

District Fatehabad Haryana

Bihar

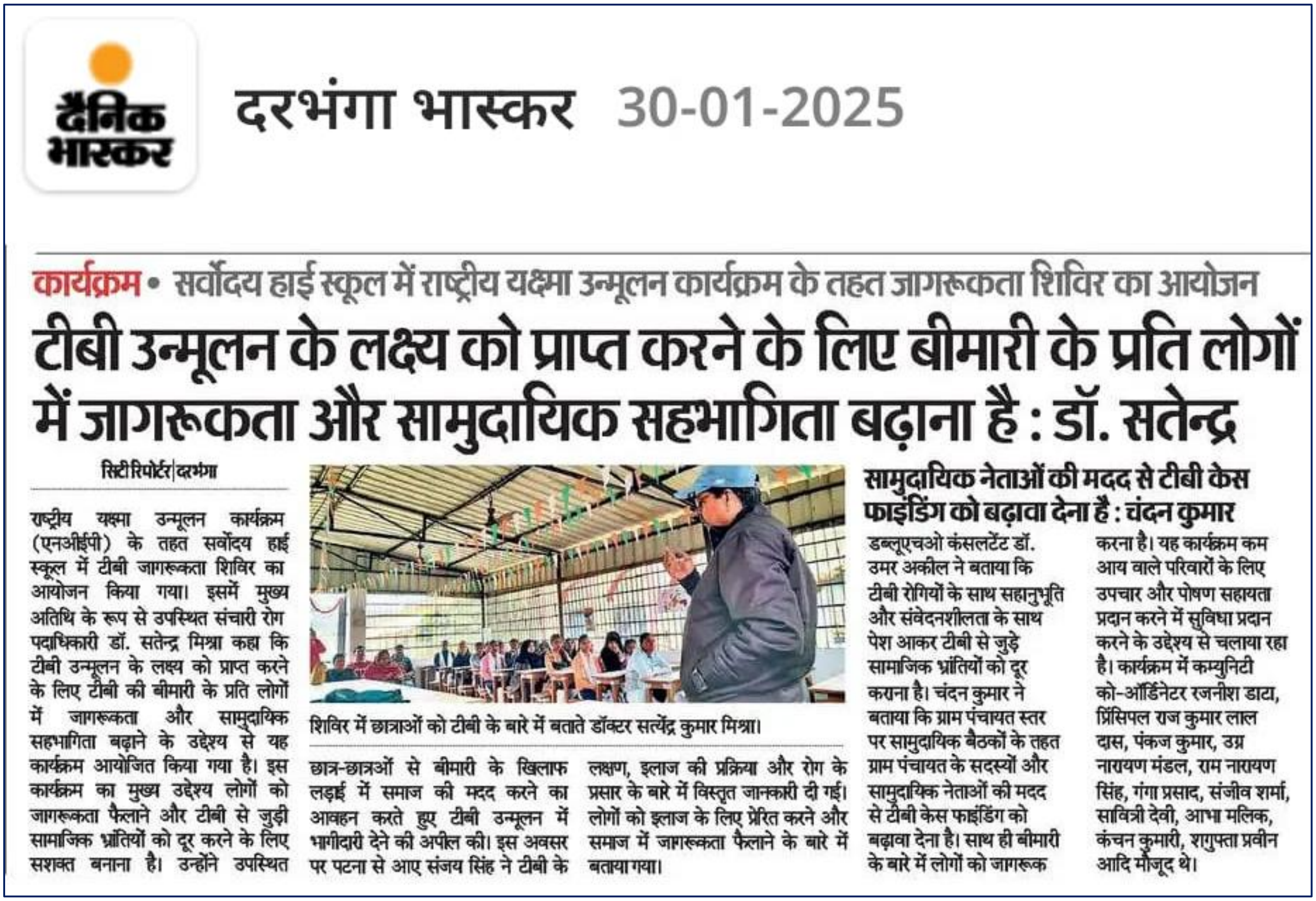

दैनिक भास्कर

दरभंगा भास्कर 30-01-2025

कार्यक्रम • सर्वोदय हाई स्कूल में राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जागरूकता शिविर का आयोजन

टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बीमारी के प्रति लोगों में जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता बढ़ाना है : डॉ. सतेन्द्र

सिटी रिपोर्टर | दरभंगा

राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम (एनओईपी) के तहत सर्वोदय हाई स्कूल में टीबी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप से उपस्थित संचारी रोग पदाधिकारी डॉ. सतेन्द्र मिश्रा कहा कि टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए टीबी की बीमारी के प्रति लोगों में जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरूकता फैलाने और टीबी से जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों को दूर करने के लिए सशक्त बनाना है। उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्रओं से बीमारी के खिलाफ लड़ाई में समाज की मदद करने का आवहन करते हुए टीबी उन्मूलन में भागीदारी देने की अपील की। इस अवसर पर पटना से आए संजय सिंह ने टीबी के लक्षण, इलाज की प्रक्रिया और रोग के प्रसार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। लोगों को इलाज के लिए प्रेरित करने और समाज में जागरूकता फैलाने के बारे में बताया गया।

शिविर में छात्राओं को टीबी के बारे में बताते डॉक्टर सत्येंद्र कुमार मिश्रा।

सामुदायिक नेताओं की मदद से टीबी केस फाइंडिंग को बढ़ावा देना है : चंदन कुमार

डब्लूएचओ कंसलटेंट डॉ. उमर अकील ने बताया कि टीबी रोगियों के साथ सहानुभूति और संवेदनशीलता के साथ पेश आकर टीबी से जुड़े सामाजिक भ्रांतियों को दूर कराना है। चंदन कुमार ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर सामुदायिक बैठकों के तहत ग्राम पंचायत के सदस्यों और सामुदायिक नेताओं की मदद से टीबी केस फाइंडिंग को बढ़ावा देना है। साथ ही बीमारी के बारे में लोगों को जागरूक करना है। यह कार्यक्रम कम आय वाले परिवारों के लिए उपचार और पोषण सहायता प्रदान करने में सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से चलाया रहा है। कार्यक्रम में कम्युनिटी को-ऑर्डिनेटर रजनीश डाटा, प्रिंसिपल राज कुमार लाल दास, पंकज कुमार, उग्र नारायण मंडल, राम नारायण सिंह, गंगा प्रसाद, संजीव शर्मा, सावित्री देवी, आभा मलिक, कंचन कुमारी, शगुफ्ता प्रवीन आदि मौजूद थे।

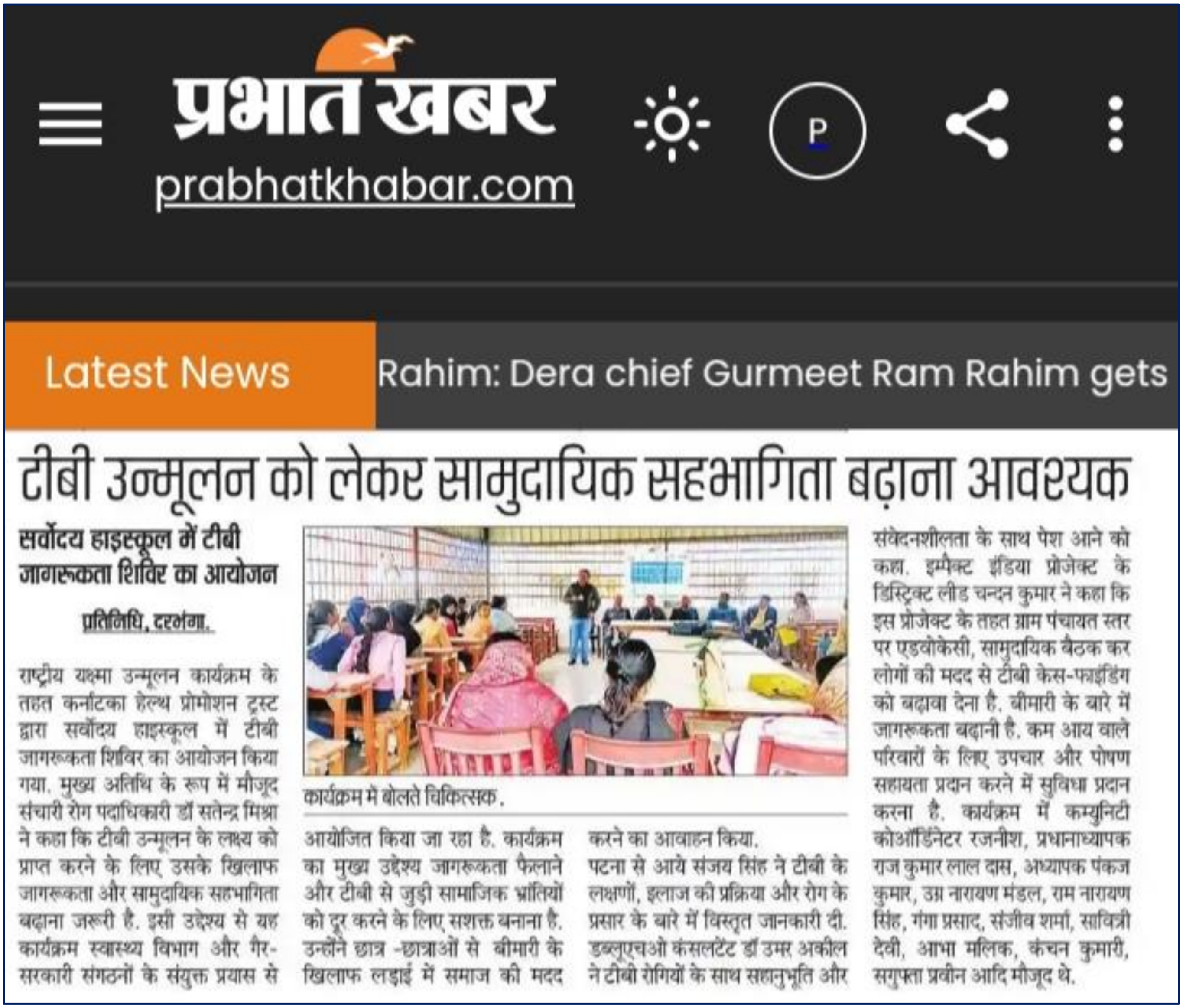

टीबी उन्मूलन को लेकर सामुदायिक सहभागिता बढ़ाना आवश्यक

सर्वोदय हाइस्कूल में टीबी जागरूकता शिविर का आयोजन

प्रतिनिधि, दरभंगा.

राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत कर्नाटका हेल्थ प्रोमोशन ट्रस्ट द्वारा सर्वोदय हाइस्कूल में टीबी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद संचारी रोग पदाधिकारी डॉ सतेन्द्र मिश्रा ने कहा कि टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उसके खिलाफ जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता बढ़ाना जरूरी है. इसी उद्देश्य से यह कार्यक्रम स्वास्थ्य विभाग और गैर-सरकारी संगठनों के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया जा रहा है. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जागरूकता फैलाने और टीबी से जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों को दूर करने के लिए सशक्त बनाना है. उन्होंने छात्र -छात्राओं से बीमारी के खिलाफ लड़ाई में समाज की मदद करने का आवाहन किया.

कार्यक्रम मे बोलते चिकित्सक.

पटना से आये संजय सिंह ने टीबी के लक्षणों, इलाज की प्रक्रिया और रोग के प्रसार के बारे में विस्तृत जानकारी दी. डब्लूएचओ कंसलटेंट डॉ उमर अकील ने टीबी रोगियों के साथ सहानुभूति और संवेदनशीलता के साथ पेश आने को कहा. इम्पैक्ट इंडिया प्रोजेक्ट के डिस्ट्रिक्ट लीड चन्दन कुमार ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर एडवोकेसी, सामुदायिक बैठक कर लोगों की मदद से टीबी केस-फाइंडिंग को बढ़ावा देना है. बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ानी है. कम आय वाले परिवारों के लिए उपचार और पोषण सहायता प्रदान करने में सुविधा प्रदान करना है. कार्यक्रम में कम्युनिटी कोऑर्डिनेटर रजनीश, प्रधानाध्यापक राज कुमार लाल दास, अध्यापक पंकज कुमार, उग्र नारायण मंडल, राम नारायण सिंह, गंगा प्रसाद, संजीव शर्मा, सावित्री देवी, आभा मलिक, कंचन कुमारी, सगुफ्ता प्रवीन आदि मौजूद थे.

Jharkhand

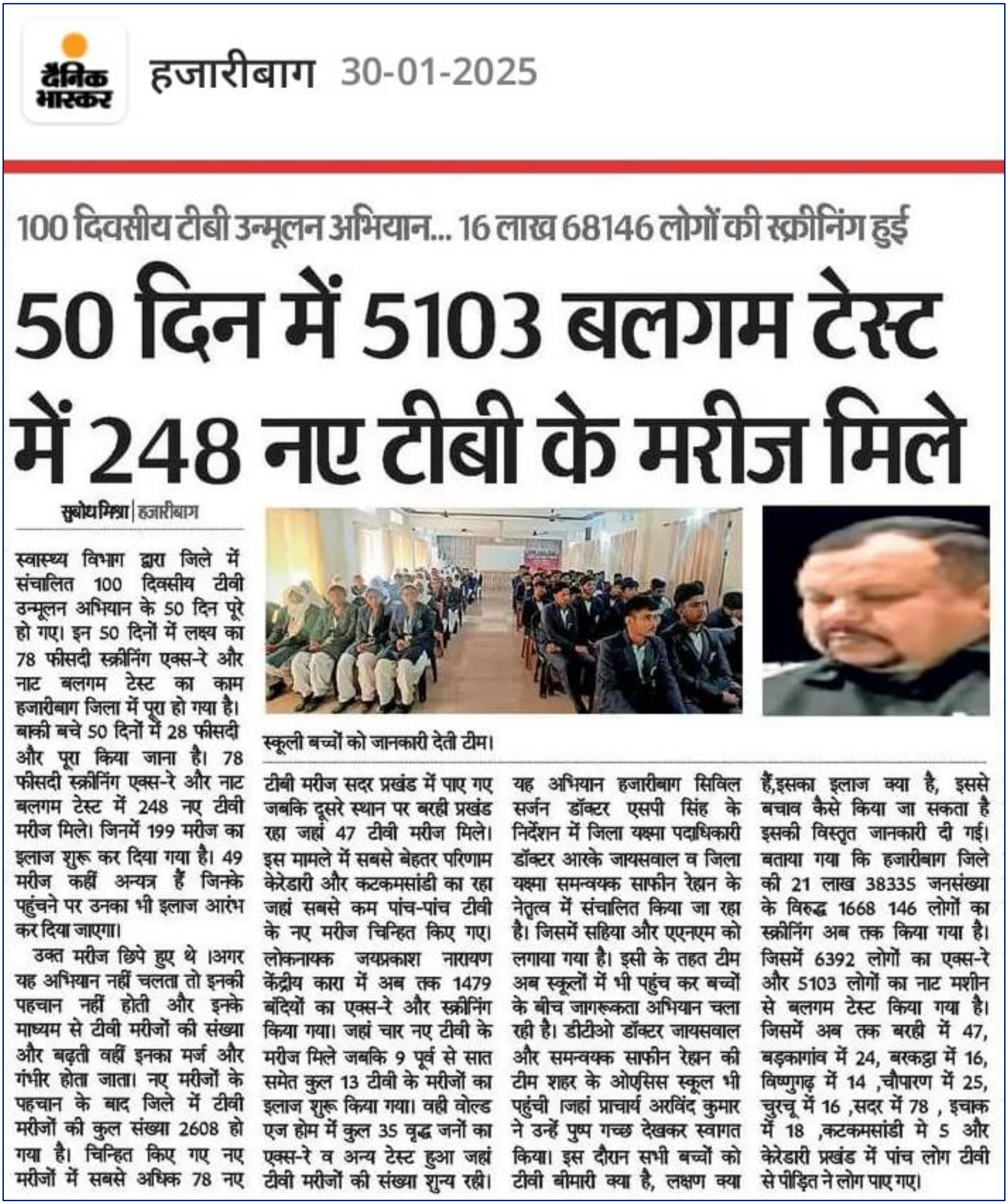

दैनिक भास्कर हजारीबाग 30-01-2025

100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान... 16 लाख 68146 लोगों की स्क्रीनिंग हुई

50 दिन में 5103 बलगम टेस्ट में 248 नए टीबी के मरीज मिले

सुबोध मिश्रा | हजारीबाग

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में संचालित 100 दिवसीय टीवी उन्मूलन अभियान के 50 दिन पूरे हो गए। इन 50 दिनों में लक्ष्य का 78 फीसदी स्क्रीनिंग एक्स-रे और नाट बलगम टेस्ट का काम हजारीबाग जिला में पूरा हो गया है। बाकी बचे 50 दिनों में 28 फीसदी और पूरा किया जाना है। 78 फीसदी स्क्रीनिंग एक्स-रे और नाट बलगम टेस्ट में 248 नए टीवी मरीज मिले। जिनमें 199 मरीज का इलाज शुरू कर दिया गया है। 49 मरीज कहीं अन्यत्र हैं जिनके पहुंचने पर उनका भी इलाज आरंभ कर दिया जाएगा।

उक्त मरीज छिपे हुए थे ।अगर यह अभियान नहीं चलता तो इनकी पहचान नहीं होती और इनके माध्यम से टीवी मरीजों की संख्या और बढ़ती वहीं इनका मर्ज और गंभीर होता जाता। नए मरीजों के पहचान के बाद जिले में टीवी मरीजों की कुल संख्या 2608 हो गया है। चिन्हित किए गए नए मरीजों में सबसे अधिक 78 नए टीवी मरीज सदर प्रखंड में पाए गए जबकि दूसरे स्थान पर बरही प्रखंड रहा जहां 47 टीवी मरीज मिले। इस मामले में सबसे बेहतर परिणाम केरेडारी और कटकमसांडी का रहा जहां सबसे कम पांच-पांच टीवी के नए मरीज चिन्हित किए गए। लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा में अब तक 1479 बंदियों का एक्स-रे और स्क्रीनिंग किया गया। जहां चार नए टीवी के मरीज मिले जबकि 9 पूर्व से सात समेत कुल 13 टीवी के मरीजों का इलाज शुरू किया गया। वही वोल्ड एज होम में कुल 35 वृद्ध जनों का एक्स-रे व अन्य टेस्ट हुआ जहां टीवी मरीजों की संख्या शुन्य रही।

स्कूली बच्चों को जानकारी देती टीम।

यह अभियान हजारीबाग सिविल सर्जन डॉक्टर एसपी सिंह के निर्देशन में जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉक्टर आरके जायसवाल व जिला यक्ष्मा समन्वयक साफीन रेहान के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। जिसमें सहिया और एएनएम को लगाया गया है। इसी के तहत टीम अब स्कूलों में भी पहुंच कर बच्चों के बीच जागरूकता अभियान चला रही है। डीटीओ डॉक्टर जायसवाल और समन्वयक साफीन रेहान की टीम शहर के ओएसिस स्कूल भी पहुंची ।जहां प्राचार्य अरविंद कुमार ने उन्हें पुष्प गच्छ देखकर स्वागत किया। इस दौरान सभी बच्चों को टीवी बीमारी क्या है, लक्षण क्या हैं,इसका इलाज क्या है, इससे बचाव कैसे किया जा सकता है इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि हजारीबाग जिले की 21 लाख 38335 जनसंख्या के विरुद्ध 1668 146 लोगों का स्क्रीनिंग अब तक किया गया है। जिसमें 6392 लोगों का एक्स-रे और 5103 लोगों का नाट मशीन से बलगम टेस्ट किया गया है। जिसमें अब तक बरही में 47, बड़कागांव में 24, बरकट्ठा में 16, विष्णुगढ़ में 14 ,चौपारण में 25, चुरचू में 16 ,सदर में 78 , इचाक में 18 ,कटकमसांडी मे 5 और केरेडारी प्रखंड में पांच लोग टीवी से पीड़ित ने लोग पाए गए।

आरडीएसओ में टीबी जांच शिविर का आयोजन हुआ

लखनऊ, लोकसत्य । आरडीएसओ अस्पताल ने बुधवार को टीबी उन्मूलन और जांच शिविर (निक्षय शिविर) का सफलतापूर्वक आयोजन किया। जोकि टीबी पर सौ दिवसीय सघन अभियान के अनुरूप रहा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य टीबी को खत्म करने की राष्ट्रीय पहल का समर्थन करना और इसकी शुरुआती पहचान के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। शिविर के दौरान कुल 54 व्यक्तियों की टीबी के लिए जांच की गई। जांच उन्नत निदान विधियों का उपयोग करके की गई, जिसमें ऑन-द-स्पॉट सीबीएनएएटी और चेस्ट एक्स-रे सुविधाएं मोबाइल वैन में उपलब्ध कराई गई हैं। यह पहल राज्य स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से की गई, जिससे निदान प्रक्रिया में पहुंच और दक्षता सुनिश्चित हुई।

Lucknow 30-01-2025
http://epaper.loksatya.com/
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
लोकसत्य

आरडीएसओ में टीबी जांच शिविर (निक्षय शिविर) का आयोजन किया

देश प्रतिदिन

MISSION
TB FREE

आरडीएसओ अस्पताल ने 28 जनवरी 2025 को टीबी उन्मूलन और जांच शिविर (निक्षय शिविर) का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जो टीबी पर 100 दिवसीय सघन अभियान के अनुरूप है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य टीबी को खत्म करने की राष्ट्रीय पहल का समर्थन करना और इसकी शुरुआती पहचान के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। शिविर के दौरान, कुल 54 व्यक्तियों की टीबी के लिए जांच की गई। जांच उन्नत निदान विधियों का उपयोग करके की गई, जिसमें ऑन–द–स्पॉट सीबीएनएएटी और चेस्ट एक्स–रे सुविधाएं मोबाइल वैन में उपलब्ध कराई गई हैं। यह पहल राज्य स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से की गई, जिससे निदान प्रक्रिया में पहुंच और दक्षता सुनिश्चित हुई।

आरडीएसओ में टीबी जांच शिविर का आयोजन किया

संवाददाता / स्वतंत्र दस्तक

MISSION
TB FREE

लखनऊ। आरडीएसओ अस्पताल ने 28 जनवरी 2025 को टीबी उन्मूलन और जांच शिविर (निक्षय शिविर) का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जो टीबी पर 100 दिवसीय सघन अभियान के अनुरूप है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य टीबी को खत्म करने की राष्ट्रीय पहल का समर्थन करना और इसकी शुरुआती पहचान के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। शिविर के दौरान, कुल 54 व्यक्तियों की टीबी के लिए जांच की गई। जांच उन्नत निदान विधियों का उपयोग करके की गई, जिसमें ऑन-द-स्पॉट सीबीएनएएटी और चेस्ट एक्स-रे सुविधाएं मोबाइल वैन में उपलब्ध कराई गई हैं। यह पहल राज्य स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से की गई, जिससे निदान प्रक्रिया में पहुंच और दक्षता सुनिश्चित हुई।

आरडीएसओ में 54 व्यक्तियों ने टीबी जॉच करायी

लखनऊ। आरडीएसओ अस्पताल ने टीबी उन्मूलन और जांच शिविर (निक्षय शिविर) का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जो टीबी पर 100 दिवसीय सघन अभियान के अनुरूप है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य टीबी को खत्म करने की राष्ट्रीय पहल का समर्थन करना और इसकी शुरूआती पहचान के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। शिविर के दौरान, कुल 54 व्यक्तियों की टीबी के लिए जांच की गई। जांच उन्नत निदान विधियों का उपयोग करके की गई, जिसमें ऑन-द-स्पॉट सीबीएनएएटी और चेस्ट एक्स-रे सुविधाएं मोबाइल वैन में उपलब्ध कराई गई हैं। यह पहल राज्य स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से की गई, जिससे निदान प्रक्रिया में पहुंच और दक्षता सुनिश्चित हुई।